हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2023-24)

कक्षा- 10+2 विषय: ललित कला कोड:770

सामान्य निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी ।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मुल्यांकन 20 अंकों का होगा ।
3. प्रायोगिक परीक्षा के लिए :-
   I. पोर्टफोलियो - 20 अंक
   II. कम्पोजीशन/पेंटिंग - 15 अंक
   III. पदार्थ चित्रण - 15 अंक
4. आंतरिक मुल्यांकन के लिए :

   निम्नानुसार आवधिक मुल्यांकन होगा : -

   i) 4 अंकों के लिए- दो SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।
   ii) 2 अंकों के लिए- एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iii) 2 अंकों के लिए- एक प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iv) 2 अंकों के लिए- विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे.
   v) 5 अंकों के लिए- छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
   vi) 5 अंकों के लिए- विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएगें:

   75% से 80% तक - 01 अंक
   80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक
   85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक
   90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक
   95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2023-24)

कक्षा- 10+2 विषय:ललित कला कोड:770

इकाई संख्या	अध्याय/इकाई	अंक
1	इकाई–1 1. भारत में लघु चित्रकला का उद्‌गम एवं विकास राजस्थानी और पहाड़ी शैली में लघुचित्रकला (16 वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0) 2. राजस्थानी शैली की लघु चित्रकला 3- पहाड़ी शैली की लघु चित्रकला	10
2	इकाई–2 मुगल शैली और दक्कन शैली में लघु चित्रकला (16वी शताब्दी ई0 से 10वी शताब्दी ई0) 4. मुगल शैली की लघु चित्रकला 5. दक्कन शैली की लघु चित्रकला	10
3 व 4	इकाई–3 भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और बंगाल शैली की चित्रकला (लगभग 20वी शताब्दी के आरम्भ से मध्य तक) 1. बंगाल शैली की चित्रकला का परिचय 2. बंगाल शैली के चित्रों का अध्ययन 3. भारतीय चित्रकारो का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष में सहयोग 4. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास इकाई–4 : भारतीय कला में आधुनिक ढंग 5. भारतीय कला में आधुनिक ढंग 6. समकालीन आधुनिक भारतीय चित्रकारों की चित्रकला 7. समकालीन आधुनिक भारतीय चित्रकारों द्वारा ग्राफिक मुद्रण 8. समकालीन भारतीय कलाकारों की मूर्तिकला	10
कुल योग		**30**
प्रायोगिक परीक्षा (आन्तरिक)		**50**
आन्तरिक मुल्यांकन		**20**
कुल योग		**100**

विषय सूची

इकाई–1

1. भारत में लघु चित्रकला का उद्‌गम एवं विकास

राजस्थानी और पहाड़ी शैली में लघुचित्रकला
(16 वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0)

2. राजस्थानी शैली की लघु चित्रकला
3. पहाड़ी शैली की लघु चित्रकला

इकाई–2

मुगल शैली और दक्कन शैली में लघु चित्रकला
(16वी शताब्दी ई0 से 10वी शताब्दी ई0)

4. मुगल शैली की लघु चित्रकला
5. दक्कन शैली की लघु चित्रकला

इकाई–3

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और बंगाल शैली की चित्रकला
(लगभग 20वी शताब्दी के आरम्भ से मध्य तक)

6. बंगाल शैली की चित्रकला का परिचय
7. बंगाल शैली के चित्रों का अध्ययन
8. भारतीय चित्रकारो का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष में सहयोग
9. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास

इकाई–4

भारतीय कला में आधुनिक ढंग

10. भारतीय कला में आधुनिक ढंग
11. समकालीन आधुनिक भारतीय चित्रकारों की चित्रकला
12. समकालीन आधुनिक भारतीय चित्रकारों द्वारा ग्राफिक मुद्रण
13. समकालीन भारतीय कलाकारों की मूर्तिकला

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2023-24)

कक्षा- 12वीं **विषय:** ललित कला **कोड:** 770

<table>
<tr><th>मास</th><th>विषय- वस्तु</th><th>शिक्षण कालांश</th><th>दोहराई कालांश</th><th>प्रयोगात्मक कार्य</th></tr>
<tr><td>अप्रैल</td><td>1. भारतीय लघु चित्रकला का उद्गम एवं विकास
1 क) राजस्थानी शैली (उद्गम एवं विकास
2 उपशैली :
मेवाड, बून्दी, जोधपुर
निम्नलिखित राजस्थानी चित्रो की प्रशंसा :–
<table>
<tr><td>शीर्षक</td><td>चित्रकार</td><td>उपशैली</td></tr>
<tr><td>मारु रागिनी</td><td>शाहीबदीन</td><td>मेवाड</td></tr>
<tr><td>चौगान खिलाडी</td><td>दाना</td><td>जोधपुर</td></tr>
<tr><td>राजा अनिरुद्ध सिंह हीरा</td><td>उत्तकल राम</td><td>बून्दी</td></tr>
</table>
1 प्रयोगात्मक कार्य :–
कक्षा 11वी में किए गए अभ्यास के आधार पर दो और तीन वस्तुओं की पृष्ठ भूमि व अग्र भूमि में दो ड्रापरियों का एक निश्चित दृष्टिकोण से पैन्सिल व रंगों में प्रकाश और छाया के साथ अध्ययन</td><td>10</td><td>2</td><td>24</td></tr>
<tr><td>मई</td><td>2. राजस्थानी उपशैली :–
बिकानेर, किशनगढ, जयपुर
3. राजस्थानी शैली की मुख्य विशेषताएं
4. निम्नलिखित राजस्थानों चित्रों की प्रशंसा :–
<table>
<tr><td>शीर्षक</td><td>चित्रकार</td><td>उपशैली</td></tr>
<tr><td>कृष्ण झूले पर</td><td>नूरुद्दीन</td><td>बीकानेर</td></tr>
<tr><td>राधा बनी ठनी</td><td>निहालचन्द</td><td>किशनगढ</td></tr>
<tr><td>भरत राम से चित्रकूट में मिलते हैं</td><td>गुमन</td><td>जयपुर</td></tr>
</table>
1. ख) पहाड़ी शैली
1. उद्गम एवं विकास</td><td>7</td><td>2</td><td>20</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
2. उपशैली :–बसोहली, गुलेर, कांगडा, चम्बा, गढवाल
3. पहाडी शैली की मुख्य विशेषताएँ
4. निम्नलिखित पहाडी शैली के चित्रों की प्रशंसा :–
<table>
<tr><th>शीर्षक</th><th>चित्रकार</th><th>उपशैली</th></tr>
<tr><td>कृष्ण गोपियों के साथ</td><td>मनकू</td><td>बसोहली</td></tr>
<tr><td>नन्द, यशोदा और कृष्ण स्वजन के साथ वृन्दावन जाते हुए</td><td>नैनसुख</td><td>कांगडा</td></tr>
</table>
2 प्रयोगात्मक कार्य :–
पेटिंग रचना जीवन और प्राकृतिक विषयों पर आधारित पोस्टर रंगों व जल रंगों से काल्पनिक पेंटिंग रंग मूल्य सहित।
</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>जून</td>
<td colspan="4">ग्रीष्मकालीन अवकाश (उपरोक्त अध्यायों से संबंधित कोई परियोजना कार्य दिया जाए)</td>
</tr>
<tr>
<td>जुलाई</td>
<td>
2 क) मुगल शैली
1. उद्‌गम एवं विकास
2. मुगल शैली की मुख्य विशेषताए
3. निम्नलिखित मुगल चित्रों का अध्ययन
<table>
<tr><th>शीर्षक</th><th>चित्रकार</th><th>काल</th></tr>
<tr><td>कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाना</td><td>मिसकीन</td><td>अकबर</td></tr>
<tr><td>बाबर का नदी पार करना</td><td>जगन्नाथ</td><td>अकबर</td></tr>
<tr><td>जहांगीर पक्षी को पकडे हुए</td><td>अबुल हसन</td><td>जहॉगीर</td></tr>
</table>
</td>
<td>10</td>
<td>2</td>
<td>24</td>
</tr>
</table>

	बाज पक्षी आराम करते हुए	उस्ताद मंसूर	जहॉगीर			
	दारा शिकोह की बारात	हाजी मादनी	शाहजहॉ			
	3. प्रयोगात्मक कार्य दिये हुए विषय व अपने जीवन और परिवेश में साधारण स्थितियों पर विभिन्न माध्यमों में स्केचिंग किए हुए चित्रों की तकनीक का अध्ययन					
अगस्त	2 ख. 1. दक्कन शैली (उद्गम एवं विकास) 2. दक्कन शैली की मुख्य विशेषताएं 3. निम्नलिखित दक्कन शैली के चित्रों की प्रशंसा :– – राग हिंडोला (अहमदनगर) – चांद बीबी पोलो खेलते हुए (गोल कुण्डा) 4– प्रयोगात्मक कार्य ग्राफिक्स के लिए पेपर व कार्ड बॉर्ड से स्टेनसील तैयार करना।	7 3	2	18 6
सितंबर	3 क) 1. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और इसके आकार व रंगो का प्रतिकात्मक महत्व 2. भारतीय चित्रकारों का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन संघर्ष में योगदान 3.ख) बंगाल शैली की चित्रकला 1. उद्गम एवं विकास चित्रकला की 2. बंगाल शैली की मुख्य विशेषताएं 5– प्रयोगात्मक कार्य रिलिफ में मॉडलिंग (मिट्टी एवं प्लोस्टर ऑफ पेंटिस अर्ध–वार्षिक परिक्षा	7	2	18
अक्तूबर	3. निम्नलिखित बंगाल शैली के चित्रों का अध्ययन –यात्रा का अंत (अबनिन्द्र नाथ टैगोर) –रासलीला (क्षतिन्द्रनाथ मजूमदार) –राधीका (एम0ए0आर0 चुगतई) –मेघदूत (रामगोपाल विजय वर्गीय –शिव और सती (नन्द लाल बोस)	9	3	24

	4 क. भारतीय कलां में आधुनिक ढंग 1– भारतीय कला में आधुनिक ढंग 6–प्रयोगात्मक कार्य दो और तीन रंगों में उपयुक्त आधार सामग्री व नारे के साथ दिये गये विषय पर पोस्टर निर्माण करना।			
नवंबर	2– निम्नलिखित समकालीन (आधुनिक भारतीय चित्रकला के चित्रों की प्रशंसा) – राम समुंद्र के गर्व को शांत करते हुए (राजा रवि वर्मा) – मॉ और बच्चा (जैमिनी राय) – हल्दी पीसने वाली (अमृता शेरगिल) – मदर टेरेसा (एम0 एफ0हुसैन) 7– प्रयोगात्मक कार्य राऊंड में मॉडलिंग (क्ले और प्लास्टर ऑफ पेरिस)	10	2	24
दिसंबर	3. समकालीन आधुनिक भारतीय चित्रकारों द्वारा ग्राफिक प्रिंट – बच्चे (सोमनाथ होर) – देवी (ज्योति भट्ट) –दीवार का (अनुपम सूद) – आदमी औरत और पेड (के0 लक्ष्मण गौड) 8– प्रयोगात्मक कार्य प्राकृतिक दृश्य, परिदृश्य चित्रण, एकरेलिक पोस्टर, जलरंग व किसी माध्यम में	7	2	20
जनवरी	समकालीन भारतीय कलाकारों की मूर्तिकला – श्रम की विजय (डी0पी0 राय चौधरी) – संथाल परिवार (राम किंकर बैज) – अनसुना शोर (अमरनाथ सहगल) 1– समकालीन आधुनिक भारतीय मूर्तियो का अध्ययन –गणेश (पी0वी0 जानकी राम) –चतुर्मुखी (ऐक्का यादा गिरी राव) 9– प्रयोगात्मक कार्य स्केचिंग का अभ्यास करे।	7	2	18

फ़रवरी	दोहराई 9– प्रयोगात्मक कार्य आवश्यकता अनुसार अभ्यास		12	
मार्च	**वार्षिक परीक्षा**			

प्रश्न पत्र प्रारूप(2023-24)

कक्षा- 10+2 विषय: ललित कला कोड:770

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	½	16	16 बहु-विकल्पीय प्रश्न	8
लघुत्तरात्मक प्रश्न	2	6	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	12
दीर्घ लघुत्तरात्मक प्रश्न	5	2	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	10
कुल		**24**		**30**

निर्धारित पुस्तक: ललित कला: कक्षा 12 **के लिए पाठयपुस्तक:** CBSE **प्रकाशन**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2023-24)

Class-10+2 **Subject:-Fine Arts** **Code:770**

General Instructions:

1. There will be an Annual Examination based on the entire syllabus.
2. The Annual Examination will be of 30 marks, Practical Examination will be of 50 marks and 20 marks weightage shall be for Internal Assessment.
3. For Practical Examination:
   I. Portfolio – 20 Marks
   II. Composition / Painting – 15 Marks
   III. Still life – 15 Marks
4. **For Internal Assessment:**

There will be Periodic Assessment that would include:

i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.

ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Class room participation).

v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks
Above 80% to 85% - 02 marks
Above 85% to 90% - 03 marks
Above 90% to 95% - 04 marks
Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2023-24)

Class- 10+2 Subject:-Fine Arts Code: 770

Unit No.	Topic/Unit	Marks
1	(I) THE RAJSATHANI SCHOOL OF MINIATURE PAINTING (II) THE PAHARI SCHOOL OF MINIATURE PAINTING	10
2	(I) THE MUGHAL SCHOOL OF MINIATURE PAINTING (II) THE DECCAN SCHOOL OF MINIATURE PAINTING	10
3 & 4	(I) INTRODUCTION TO THE BANGAL SCHOOL OF PAINTING. (II) STUDY OF THE PAINTINGS OF BANGAL SCHOOL. (III) CONTRIBUTION OF INDIAN ARTISTS IN THE STRUGGLE FOR NATIONAL FREEDOM MOVEMENT. (IV) EVOLUTION OF THE INDIAN NATIONAL FLAG. (V) MODERN TRENDS IN INDIAN ART. (VI) PAINTING,GRAPHIC AND SCULPTURE OF THE CONTEMPORARY (MODERN) INDIAN ARTISTS	10
Total		**30**
Practical Examination(Internal)		50
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

CONTENT

UNIT-I

1.The origin and Development of Miniature Painting in India.

The Rajasthani and Pahari School of Miniature Painting (16th Century A.D to 19th Century)

2.The Rajasthani School of Miniature Painting .

3.The Pahari School of Miniature Painting.

UNIT-II

The Mughal and Deccan School of Miniature Painting (16th Century A.D to 19th Century)

4.The Mughal School of Miniature Painting.

5.The Deccan School of Miniature Painting.

UNIT-III

The Indian National Flag and the Bengal School of Painting (About the beginning to Mid of the 20th Century)

6.Introduction to the Bengal School of Painting.

7.Study of the Paintings of Bengal School .

8.Contribution of Indian Artists in the Struggle for National Freedom .Movement.

9.Evolution of the Indian National Flag.

UNIT-IV

The Modern Trends in Indian Art.

10.Modern Trends in Indian Art.

11.Paintings of the Contemporary (Modern) Indian Artists.

12.Graphic Prints of the Contemporary (Modern)Indian Artists.

13.Sculpture of the Contemporary (Modern)Indian Artists.

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2023-24)

Class- XII **Subject: FINE ART** **Code: 770**

<table>
<tr><th>Month</th><th>Subject- content</th><th>Teaching Periods</th><th>Revision Periods</th><th>Practical Work</th></tr>
<tr><td>April</td><td>The Origin and Development of Miniature painting in India.
1.The Rajasthani School (Origin and Development)
2.Sub Schools-
Mewar, Bundi, Jodhpur
Appriciation of following Rajasthani Paintings-
<table>
<tr><td>Title</td><td>Painter</td><td>Sub School</td></tr>
<tr><td>Maru Ragini</td><td>Sahibdin</td><td>Mewar</td></tr>
<tr><td>Chaugan Player</td><td>Dana</td><td>Jodhpur</td></tr>
<tr><td>Raja Anirudha Singh Heera</td><td>Utkal Ram</td><td>Bundi</td></tr>
</table>
Practical work
3.Studies on the basis of exercise done in class XI with two or three objects and two draperies for background and foreground exercises in pencil with light and shade and in full colour from a fixed point of view.</td><td>10</td><td>02</td><td>24</td></tr>
<tr><td>May</td><td>2.Subschool of Rajasthani School- Bikaner, Kishangarh, Jaipur.
3.Main features of Rajasthani School.
4.Appriciation of following Rajasthani Painting-</td><td>7</td><td>2</td><td>20</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
<table>
<tr><td>Title</td><td>Painter</td><td>Sub School</td></tr>
<tr><td>Krishan on swing</td><td>Nuruddin</td><td>Bikaner</td></tr>
<tr><td>Radha Bani Thani.</td><td>Nihalchand</td><td>Kishan garh</td></tr>
<tr><td>Bharat Meets Rama at Chitrakuta.</td><td>Guman</td><td>Jaipur</td></tr>
</table>
1 (b) The Pahari School
1. Origin and Development
2. Sub School : Basholi, Guler, Kangra, Chamba and Garhwal
3. Main Features of the Pahari School
4. Appreciation of the following Pahari Painting
<table>
<tr><td>Title</td><td>Painter</td><td>Sub School</td></tr>
<tr><td>Krishna with Gopis</td><td>Manaku</td><td>Basohli</td></tr>
<tr><td>Nand Yashoda and Krishna with kinsman going to Vrindavana</td><td>Nainsukh</td><td>Kangra</td></tr>
</table>
Practical Work :
2 .Painting composition. Imaginative paintings based on subjects from life and nature with water and poster colours with colour values.
</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>June</td>
<td colspan="4">Summer Vacation (Any project work should be given related to above chapters)</td>
</tr>
<tr>
<td>July</td>
<td>
2(a) The Mughal School
1. Origin and Development.
2.Main features of Mughal School.
3.study of the following Mughal paintings-
<table>
<tr><td>Title</td><td>Painter</td><td>Time Period</td></tr>
<tr><td>Krishna lifting mount Goverdhan.</td><td>Miskin</td><td>Akbar</td></tr>
</table>
</td>
<td>10</td>
<td>2</td>
<td>24</td>
</tr>
</table>

	Baber Crossing the river.	Jagannath	Akbar			
	Jahangir Holding the picture on a bird rest.	Abul Hassan	Jahangir			
	Falcon on a bird rest.	Ustad Mansoor	Jahangir			
	Marriage procession of Dara Shikoh.	Haji Madni	Shahjahan			
	Practical Work 3.Study of techniques of illustration on a given subject and simple situations from life and outdoor sketching in different medium.					
August	2(b) 1. The Deccan School(Origin and Development). 2. Main features of Deccan School. 3.Appriciation of following Deccan Paintings- -Raga Hindola(Ahmednagar). -Chand Bibi playing polo(Golkunda) Practical Work :- 4.Stencils making with the paper and cardboard for graphics.			7 3	2	18 6

September	3 (a). 1. National Flag of India and the symbolic significance of its forms and colours. 2.Contribution of Indian Artists in the Struggle for National Freedom Movement. 3. (b) Bengal School of painting 1 Origin and Development. 2 Main Features of the Bengal School of Painting **4. Practical Work :-** Modeling in Relief (Clay and Plaster of Paris) **Half – Yearly Exam**	7	2	18
October	3.Study the following paintings of Bengal School- -Journey's End (Abanindranath Tigore) -Rasa Leela(Kshitindranath Majumdar) -Radhika (M.A.R Chughtai) -Meghdoot(Ram Gopal Vijaivargiya) -Shiv and Sati (Nand lal Bose) 4 (a) The Modern Trends in Indian Art. 1. The Modern Trends in Indian Art. **Practical Work** Making Posters with specified data and slogan on a given subject in two or three colours	9	3	24
November	2.Appriciation the following paintings of Contemporary (Modern)Indian Art- -Rama Vanquishing the Pride of the Ocean(Raja Ravi Varma) -Mother and Child (Jamini Roy)	10	2	24

	-Haldi Grinders(Amrita Sher Gill) -Mother Teresa(M.F.Husain) **5- Practical Work** Modelling in round (Clay or Plaster of Paris)			
December	3 1.Graphic Prints of Contemporary Indian Artists. -Children(Somnath Hore) -Devi (Jyoti Bhatt) -Of Walls(Anupam Sud) -Man Woman and Tree(K.Laxma Goud) **6- Practical Work** Natural scene, Landscape with Acrylic,poster,water any medium.	7	2	20
January	1.Sculptures of the Contemporary Indian Artists. -Triumph of Labour (D.P.Roy Chaudhary) -Santhal family (Ram Kinkar Vaij) - Cries Un-heard (Amar Nath Sehgal). 1.Study of sculpture of the Contemporary (Modern)Indian Artists- -Ganesha (P.V.Janki Ram) -Chatturmukhi (Aekka Yada Giri Rao). **7.Practical work :-** Practice of sketching.	7	2	18
February	Revision 8-Partical Work :- Practice as per Requirement		12	
March	Annual Examination			

Prescribed Books:

Fine Arts: A textbook for class XII, CBSE Publication

Question Paper Design(2023-24)

Class- 10+2 Subject:-Fine Arts Code: 770

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Multiple Choice Question (MCQ)	½	16	Four Optional Answer will be given.	08
Short Answer Type Question(SA)	2	6	Internal choice will be given in every question	12
Essay type Question	5	2	Internal choice will be given in every question	10
Total Question	**-**	**24**	**Total Marks**	**30**